उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह जून, 2020

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक– 21 जून, 2020

उत्तराखण्ड मुक्त विद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विश्वविद्यालय मुख्यालय में 21 जून 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर निम्नानुसार कार्यक्रम किये गये ।

योगासन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज facebook-com@uoulive तथा You Tube चैनल youtube-com@uoulive के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर (कोरोना संक्रमण हेतु कतिपय लाभकारी अभ्यास) कराये गये । कार्यक्रम निम्नानुसार सम्पन्न हुआ ।

दीप प्रज्जवलन तथा कुलगीत –	प्रातः 6:50 बजे
योगासन कार्यक्रम –	प्रातः 7 से 8 बजे तक
पाठ्यक्रम समन्वयक के द्वारा सम्बोधन	प्रातः 8:05 से 08:10 बजे तक
कुलपति जी का उदबोधन	
धन्यवाद ज्ञापन	कुलसचिव जी द्वारा

प्रथम चरण के रूप में 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के अन्तर्गत सुबह 7:00 से 8:00 बजे तक कोरोना संक्रमण हेतु कतिपय लाभकारी अभ्यास कराये गये। इस सत्र का उदघाटन न विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विभाग के शिक्षक एवं कार्मिकों ने सोशियल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्रतिभाग किया। सभी लोगों ने सुयोग्य प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

'योग दिवस के द्वितीय चरण में एक विचार– गोष्ठी का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने सभी उपस्थित शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को Youtube channel के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि योग एक मात्र ऐसा अनुशासन है जो विद्यार्थियों को ज्ञान , कौशल , रोजगार के साथ– साथ मूल्यों से भी अलंकृत करता है। योग, मात्र एक विषय न होकर मानव जीवन को समग्रता प्रदान करने वाला अनुशासन है । अन्त में कुलसचिव जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन योग सम्न्वयक डॉ भानु प्रकाश जोशी तथा नीता देवलिया ने किया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा एक राष्ट्रीय वेबीनार 'ऑनलाइन शिक्षा एवं उच्च शिक्षा में तकनिकी का उपयोग' विषय पर आयोजित

Topic- Online Teaching and the Use of Technology in Higher Education.

विषय– 'उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण व तकनीकी का प्रयोग'

दिनांक 17.06.2020 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक राष्ट्रीय वेबीनार 'ऑनलाइन शिक्षा एवं उच्च शिक्षा में तकनिकी का उपयोग' विषय पर आयोजित किया गया । जिसमें 90 प्रतिभागियों द्वारा नामांकन कराया गया, इसके अतिरिक्त पूरे भारत से यू–ट्यूब पर सीधे वेबिनर में भागीदारी की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता की गयी। कुलपति जी ने शिक्षा के क्षेत्र में ब्लेंडेड लर्निंग, टेस्ट, ई–टूल्स व वीडियो लेक्चर्स के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने की बात की। कुलपति जी ने आपदा को अवसर में बदलने को कहा तथा शिक्षा को सभी के हाथों में देने की बात कही। उन्होंने कहा इस मुश्किल समय में दूरस्थ शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आपदा के समय में तकनीकी का प्रयोग करते हुए आत्म निर्भर भारत बनाने की बात की।

कुलपति जी द्वारा माननीय डॉ0 धन सिंह रावत जी, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार एवं प्रो0 बी0 एस0 बिष्ट, उपाध्यक्ष, उच्च शिक्षा उन्नयन विकास समिति, उत्तराखण्ड का स्वागत किया गया। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कराये जा रहे ऑनलाइन शिक्षण कार्यों, विडियों लेक्चर्स के माध्यम से विश्वविद्यालय की विद्यार्थियों के घर तक शिक्षा पहुँचाने की प्रशंसा कीद्य उत्तराखंड के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को जोड़ते हुये एन0आई0सी0 के माध्यम से ई–लाइब्रेरी 30 जून तक तैयार करने के बात कही, तथा विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी के माध्यमों का अधिक से अधिक प्रयोग करने व विश्वविद्यालयों को हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से 80 से 90 प्रतिशत कोर्स पूरा हो चुका है। उनके द्वारा ये कहा गया कि ऑनलाइन कक्षाओं का एक निश्चित समय निर्धारित होना चाहिये ताकि विद्यार्थी समय से आनलाइन कक्षाओं से जुड़ सके । उन्होंने कहा भारत सरकार के उपक्रमों की मदद से सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को बेहतर नेटवर्क व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

उच्च शिक्षा उन्नयन विकास समिति, उत्तराखण्ड के उपाध्यक्ष माननीय प्रो0 बी0 एस0 बिष्ट ने कहा कि COVID–19 के समय शिक्षा के क्षेत्र मे हुई क्षति को टेक्नोलोजी के सकारात्मक पक्ष ने काफी हद तक बचाया है। शिक्षक व विद्यार्थियों द्वारा आज ऑनलाइन शिक्षा के उपयोग व ज्ञान क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि हुई है।

प्रो0 दुर्गेश पन्त जी ने अपने व्याख्यान में कहा यह जटिल समय है व जटिलता अवसर की जननी है तथा टेक्नोलाजी ने इस जटिलता में कई समस्याओं का हल दिया है।

प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा के लिये निरंतर प्रयासरत है द्य विश्वविद्यालय के दूरस्थ माध्यम से शिक्षा विद्यार्थियों के द्वार तक पहुँच रही है।

इस अवसर पर प्रो0 आर0 एस0 पथनी, डी0 एस0 विष्ट, कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रो0 पी0 के0 जोशी, हे0 न0 गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर, डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान दिये गये द्य

डॉ दिनेश कुमार, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का सफल संचालन किया गया। प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रया के आधार पर वेबिनार शिक्षकों व विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक व उचित मार्गदर्शन प्रदान करेगाद्य और उन्हों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के लिये उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत रहता है। डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा सभी प्रतिभागियों व आमंत्रित सदस्यों का धन्यवाद दिया।

निष्कर्ष–

- ऑनलाइन शिक्षा आधुनिक इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में एक बड़ा परिवर्तन है।
- सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को ई–लर्निंग पुस्तकालय से जोड़ा जाना चाहिए।

- ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के लिए विश्वसनीय और सुरक्षित ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होगी जो सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में प्रदान की जानी चाहिए।
- सभी शिक्षकों व प्राध्यापकों को ऑन लाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि वे विद्यार्थियों को समय से पाठ्यक्रम पूर्ण करने, सत्रीय कार्य, परीक्षा मूल्यांकन व परीक्षा परिणाम को समय से पूर्ण कर सकें।
- देश व विदेश के विद्यार्थियों को राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु सुविधाएँ प्रदान की जाने चाहिए।
- आधुनिक समय के बदलाव के साथ साथ समय के अनुसार सभी विषयों के पाठ्यक्रमों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कराया जाना चाहिए।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा विडियों लेक्चर्स व पी0पी0 टी0 तैयार कराना चाहिए।
- 12 बी में आने हेतु सरकार की ओर से हर सम्भव मदद की जानी चाहिए।
- केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा सभी स्तर के विद्यार्थियों हेतु शैक्षिक चौनल आरंभ किया जाना चाहिए। निश्चित समय व निश्चित विषय की सूची एक सप्ताह पूर्व प्रदान की जानी चाहिए।
- विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने हेतु आवश्यक उपकरण को प्रदान किया जाना चाहिए।
- अपनी शक्ति बढ़ाना, आत्मानुशासन सीखना तथा सीखने की गहरी इच्छा रखना नितांत आवश्यक है।
- व्यक्ति मे चरित्र, प्रतिबद्धता, विश्वास, साहस होना आवश्यक है जिससे की वह जीवन मे आने वाली विभिन्न समस्याओं का सामना कर सके।

विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के साथ 2020–21 सत्र की प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन

दिनांक 23 जून, 2020 को प्रवेश विभाग द्वारा जूम के माध्यम से सत्र जुलाई 2020 से प्रारम्भ होने वाले प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता मा0 कुलपतित जी द्वारा की गयी, बैठक में निदेशक, क्षेत्रीय सेवायें, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, परीक्षा नियंत्रक, प्रोफेसर पी0डी0 पंत, कुलसचिव श्री भरत सिंह, क्षेत्रीय केन्द्रों के निदेशकगण, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, जन संपर्क अधिकारी, डॉ0 राकेश रयाल, लगभग 80 अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक की कार्यवाही प्रभारी प्रवेश डॉ0 एम0एम0 जोशी द्वारा प्रारंभ की गयी।

बैठक के प्रमुख बिन्दु निम्नांकित हैं–

1. प्रभारी प्रवेश ने सत्र जुलाई, 2020 से प्रवेश आवेदन प्रपत्र में किये गये परिवर्तनों की जानाकरी दी, परिवर्तन से संबंधित कुछ प्रमुख बिन्दु निम्नांकित थे–
   (क)–प्रवेश हेतु आवेदक केवल एक मोबाइल नम्बर का प्रयोग कर सकेगा, जो उसका स्वयं का हो, विश्वविद्यालय द्वारा इसे आवेदक का RMN (Registered Mobile Number) माना जायेगा।
   (ख)–प्रवेश हेतु आवेदक अपना स्वयं का मेल आई डी देगा जिसे आवेदक का रजिस्टर्ड मेल आईडी माना जायेगा।
   (ग)–आवेदक अपना स्वये का आधार नम्बर अथवा सरकारी आईडी नम्बर प्रवेश आवेदन पत्र में दर्ज करेगा।

2. वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अभी केवल ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया 1 जुलाई, 2020 से प्रारंभ की जायेगी, प्रवेश की अंतिम तिथि वर्तमान में 30 सितंबर, 2020 रखी गयी है।
3. प्रवेश आवेदन पत्र में UGC-DED को दी जाने वाली सूचनाऐं एवं NAAC को ध्यान में रखते हुए जो Mandatory Field बनाये गये हैं उनकी सूचना देना अनिवार्य है।
4. परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर पी0डी0 पंत ने सत्र जुलाई 2020 से सत्रीय कार्य परीक्षा और सत्रान्त परीक्षा से सम्बन्धित परिवर्तनों की जानकारी दी। प्रमुख बिन्दु निम्नवत् थे–

   (क)–सत्र जुलाई 2020 से आगे सत्रीय कार्य परीक्षा ऑनलाइन करवाई जायेगी।

   (ख)–सत्रांत्र परीक्षा के प्रारूप में परिवर्तन की जानकारी दी गयी इसमें प्रश्नपत्र के दोनों खण्डों में प्रश्नों की संख्या परिवर्तन और परीक्षा समय अधिकतम 2 घन्टे करने की सूचना दी गयी।
5. निदेशक आर0 एस0 डी0 द्वारा अध्ययन केन्द्रों को दी जाने वाली राशि एवं प्रक्रिया की जानकारी दी गयी और सभी समन्वयों से प्रतिमाह अपने कार्यों की प्रविष्ठि आर0एस0डी0 के पोर्टल में करने की सूचना दी गयी।
6. बैठक के अंतिम चरण में कुछ समन्वयकों द्वारा पार्श्व–प्रविष्ठि के नियम, अध्ययन केन्द्रों के भुगतान तथा परीक्षा सम्बन्धि किये गये I प्रश्नों का संतोषजनक निराकरण किया गया।

7. कुलपति जी द्वारा सभी समन्वयकों को छात्रों तक Video/audio lecture, PPT पहुॅचाने और उनका कोर्स पूर्ण करने की बात की गयी। इसके लिए उन्हे विश्वविद्यालय की वैबसाइट से मदद लेने का सुझाव दिया गया।
8. बैठक के अन्त में प्रवेश प्रभारी द्वारा सभी समन्वयकों से अपनी समस्याऐं मेल द्वारा अवगत कराने की बात की गयी।

अन्त में कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मा0 कुलपति जी द्वारा माह जून, 2020 में निम्न ऑनलाईन कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया–

- दिनांक 3 जून, 2020 को शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजि राष्ट्रीय सेमीनार में मा0 कुलपति जी द्वारा "Onine and Distance Education in Emerging Scenario" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 05 जून, 2020 को दून विश्वविद्यालय, दूहरादून द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- Prof. O.P.S. Negi, attended the **Stakeholders' Meeting with Prof. D P Singh, Chairman, University Grants Commission (UGC)** on June 05, 2020 at 5.00 PM through Zoom Platform. The meeting was organized by Education Promotion Society for India. The webinar is being attended by the Chancellor's, Vice Chancellor's, Directors of all India Universities, IITs and reputed Institutions.

- दिनांक 12 जून, 2020 को Business World Dialogue on Education द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें Online Learning: The Future of Education, The Relevance of Online Learning Post COVID19 तथा Online Learning: The Saviour in Times of Crisis जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

****